https://www.upboardonline.com

नाम ..... अनुक्रमांक .....

अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2020-21

कक्षा-11 B-XI-सामान्य हिन्दी

समय : 3.15 घण्टा **समान्य हिन्दी** पूर्णांक : 100

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिये निर्धारित है।

खण्ड 'क'

1. **निम्न प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका पर अंकित कीजिए—**

(क) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है— 1

(i) इन्दु (ii) सरस्वती (iii) ब्राह्मण (iv) हंस।

(ख) 'अष्टयाम' के रचनाकार हैं— 1

(i) गोकुलनाथ (ii) बल्लभाचार्य (iii) नाभादास (iv) सूरदास।

(ग) 'दीपदान' की रचना विधा है— 1

(i) नाटक (ii) एकांकी (iii) भेंटवार्ता (iv) लघुकथा।

(घ) 'पथ के साथी' किस विधा की रचना है ? 1

(i) आत्मकथा (ii) संस्मरण (iii) नाटक (iv) रेखाचित्र।

(ङ) 'गोदान' किस विधा की रचना है— 1

(i) आत्मकथा (ii) उपन्यास (iii) डायरी (iv) नाटक।

2. (क) कृष्णभक्ति काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं— 1

(i) सूरदास (ii) नन्ददास (iii) मीरा (iv) रसखान।

(ख) वीरगाथा काल के दो कवियों के नाम लिखिए। 1

(ग) रामभक्त शाखा के प्रवर्त्तक कौन थे ? 1

(घ) साहित्यलहरी किसकी रचना है ? 1

(ङ) 'तारसप्तक' के सम्पादक का नाम लिखिए। 1

3. **निम्नलिखित गद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—** 5×2=10

सूर्यदेव की उदारता और न्यायशीलता तारीफ के लायक है। तरफदारी तो उसे छू तक नहीं गई—पक्षपात की तो गन्ध तक उसमें नहीं, देखिए न, उदय तो उसका उदयाचल पर हुआ; पर क्षण ही भर में उसने अपने नए किरण-कलाप को उसी पर्वत के शिखर पर नहीं, प्रत्युत सभी पर्वतों के शिखरों पर फैलाकर उन सब की शोभा बढ़ा दी। उसकी इस उदारता के कारण इस समय ऐसा मालूम हो रहा है, जैसे सभी भूधरों ने अपने शिखरों-अपने मस्तकों—पर दुपहरिया के लाल-लाल फूलों के मुकुट धारण कर लिए हों। सच है, उदारशील सज्जन अपने चारुचरितों से अपने ही उदय-देश को नहीं, अन्य देशों को भी आप्यायित करते हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) सूर्यदेव की न्यायशीलता तारीफ के लायक क्यों है ? उत्तर दीजिए।

(ग) सूर्यदेव की उदारता को उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए।

(घ) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त शैली का उल्लेख कीजिए।

(P.T.O.)

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

अथवा

यह अध्यापक का काम है वह अपने छात्र में चित्त एकाग्र करने का अभ्यास डाले। एकाग्रता ही आत्मसाक्षात्कार की कुंजी है। एकाग्रता का उपाय यह है कि छात्र में मैत्री, करुणा, मुदिता और उपेक्षा का भाव उत्पन्न किया जाए और उसे निष्काम कर्म में प्रवृत्त किया जाए। दूसरे के सुख को देखकर सुखी होना मैत्री और दुःख देखकर दुःखी होना करुणा है। किसी को अच्छा काम करते देखकर प्रसन्न होना और उसका प्रोत्साहन करना मुदिता और दुष्कर्म का विरोध करते हुए अनिष्टकारी से शत्रुता न करना उपेक्षा है। ज्यों-ज्यों यह भाव जागते हैं, त्यों-त्यों ईर्ष्या-द्वेष की कमी होती है। निष्काम कर्म भी रागद्वेष को नष्ट करता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ख) अध्यापक का क्या काम है ?
(ग) छात्रों में एकाग्रता की प्रवृत्ति कैसे उत्पन्न की जा सकती है ?
(घ) मैत्री, करुणा, मुदिता और उपेक्षा आदि भावों से आप क्या समझते हैं ?
(ङ) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5×2=10

हमारैं हरि हारिल की लकरी।
चित्रा मित्र मीन घर आवा। पपिहा पीउ पुकारत पावा॥
उआ अगस्त, हस्ति घन गाजा। तुरय पलानि चढ़े रन राजा॥
स्वाति बूँद चातक मुख परे। समुद सीप मोती सब भरे॥
सरवर सँवरि हंस चलि आए। सारस कुरलहिं, खंजन देखाए॥
भा परगास, बाँस बन फूले। कंत न फिरे बिदेसहिं भूले॥

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ख) उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर प्रकृति का चित्रण कीजिए।
(ग) पद्यांश का भावार्थ लिखिए।
(घ) रेखांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
(ङ) उपर्युक्त पद्यांश के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हृदय-घाउ मेरे, पीर रघुबीरै।
पाइ सँजीवनि जागि कहत यों प्रेम पुलकि बिसराय सरीरै॥
मोहिं कहा बूझत पुनि पुनि जैसे पाठ अरथ चरचा कीरे।
सोभा सुख छति लाहु भूप कहँ, केवल कान्ति मोल हीरै॥
तुलसी सुनि सौमित्रि-बचन सब धरि न सकत धीरौ धीरै॥
उपमा राम-लखन की प्रीति की क्यौं दीजै खीरै-नीरै॥

(क) उपर्युक्त पद्यावतरण का सन्दर्भ एवं प्रसंग लिखिए।
(ख) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।
(ग) पद्यावतरण का भावार्थ लिखिए।
(घ) लक्ष्मण ने क्यों कहा कि 'हृदय-घाउ मेरे, पीर रघुवीरै।'
(ङ) निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर काव्य-सौन्दर्य लिखिए—
भाषा, शैली, रस, अलंकार, छन्द, गुण।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उसकी कृतियों का उल्लेख कीजिए— 3+2=5

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
(iii) डॉ० सम्पूर्णानन्द।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय देते हुए उसकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए— 3+2=5

(i) कबीरदास (ii) सूरदास
(iii) गोस्वामी तुलसीदास।

6. 'बलिदान' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 5

अथवा

'आकाशद्वीप' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

7. अपने पठित नाटक की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

अपने पठित नाटक के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड 'ख'

8. **(क) दिए गए संस्कृत अवतरणों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2+5=7**

राष्ट्रभाषा-हिन्दी-प्रचारे संलग्नं हिन्दीसाहित्यसम्मेलनम् अत्र स्थितम्। अत्रैव च अनेकसहस्रसंख्यैः देशविदेशविद्यार्थिभिः परिवृतः विश्वविधविद्यापारङ्गतैः विद्वद्वरेण्यैः उपशोभितः च प्रयागविश्वविद्यालयः भरद्वाजस्य प्राचीन-गुरुकुलस्य नवीनं रूपमिव शोभते। स्वतन्त्रेऽस्मिन् भारते प्रत्येकं नागरिकाणां न्यायप्राप्तेरिधिकारघोषणामिव कुर्वन् उच्चन्यायालयः अस्य नगरस्य प्रतिष्ठा वर्द्धयति। https://www.upboardonline.com

अथवा

अयं पर्वतराजः भारतवर्षस्य उत्तरसीमाम्नि स्थितः तत् प्रहरीव शत्रुभ्यः सततं रक्षति। हिमालयादेन समुद्गम्य गङ्गा-सिन्धु-ब्रह्मपुत्राख्याः महानद्यः शतदि-विपाशा-यमुना-सरयू-गण्डकी-नारायणीकौशिकी प्रभृतयः नद्यश्च समस्तामपि उत्तरभारतभुवं स्वकीयैः तीथोदकैः न केवलं पुनन्ति अपितु इमाशस्य श्यामलामपि कुर्वन्ति।

(ख) नीचे दिये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये— 2+5=7

(i) यतो यतः समीहसे ततो नो अभयं कुरु।
शन्नः कुरु प्रजाभ्योऽभयं नः पशुभ्यः॥
(ii) सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्या योगेन रक्ष्यते।
भृजया रक्ष्यते रूपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते॥

9. **निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का अर्थ लिखते हुए उनका वाक्य प्रयोग कीजिये— 1+1=2**

(i) आपे से बाहर होना (ii) गागर में सागर भरना
(iii) अक्ल बड़ी कि भैंस (iv) एक पन्थ दो काज।

(P.T.O.)

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि के सही विकल्प का चयन कर अपनी उत्तर-पुस्तिका पर अंकित कीजिये— 1+1+1=3

(i) 'सुरेश' का सन्धि-विच्छेद है—

(अ) सुरे + श: (ब) सु + रेश: (स) सुर + ईश: (द) सुर + इश:।

(ii) 'विपत्काल' का सन्धि-विच्छेद होगा—

(अ) विपत् + काल: (ब) विपद् + काल:

(स) विपद + काल: (द) वि + पत्काल:

(iii) 'कपीश:' का सन्धि-विच्छेद है—

(अ) कपि + ईश: (ब) कपी + ईश:

(स) कपो + इश: (द) कपौ + इश:

(ख) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चुनकर लिखिए— 1+1=2

(i) अनिल-अनल—

(अ) अग्नि और वायु (ब) आग और पानी

(स) वायु और अग्नि (द) हवा और नल।

(ii) कपट-कपाट—

(अ) कप्र और प्लेट (ब) किबाड़ और खिड़की

(स) धोखा और दरवाजा (द) पर्दा और किबाड़।

11. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिये— 1+1=2

(i) अम्बर (ii) कनक (iii) जलज

(ख) निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं दो के लिये एक-एक शब्द लिखिये— 1+1=2

(i) जो कल्पना से परे हो (ii) धर्म में निष्ठा रखने वाला

(iii) जो जीता न जा सके (iv) सम्पूर्ण पृथ्वी का राजा।

(ग) निम्नलिखित शब्द रूपों में से किसी एक का विभक्ति व वचन लिखिये— 1+1=2

(i) राज्ञे (ii) नाम्न: (iii) आत्मने।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिये— 1+1=2

(i) मुझको भारी भूख लगी है। (ii) बेटी तो पराया धन होता है।

(iii) चौकीदार पर ही चोर होनी की शंका है।

(iv) परीक्षा पद्धति बदलना चाहिये।

12. (क) 'शृंगार' **अथवा** 'करुण रस' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) 'अनुप्रास' **अथवा** 'यमक' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) 'मात्रिका' **अथवा** 'चौपाई' छन्द का लक्षण सोदाहरण लिखिए। 2

13. भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबन्धक को 'डेयरी' खोलने के लिये ऋण लेने के लिये एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। **अथवा** 6

दैनिक जागरण, आगरा के सम्पादक को कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति के लिये एक पत्र लिखिये। https://www.upboardonline.com

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 9

(i) मेरे सपनों का भारत। (ii) प्रदूषण और पर्यावरण।

(iii) जनसंख्या की समस्या। (iv) राष्ट्रीय एकता और अखण्डता।

(v) शिक्षा में खेलकूद का स्थान।

●●

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com

https://www.upboardonline.com